



"भूल करने में पाप तो है ही, परंतु उसे सुपाने में उससे भी बड़ा पाप है"

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-215

नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये

सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट का CEC ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने से इनकार, EC को नोटिस जारी

नई दिल्ली (ए।)। भारतीय चुनाव आयोग (ECI) के भीतर मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार और अन्य दो चुनाव आयुक्तों के बीच कथित मतभेद व एकतरफा फैसलों के आरोपों से जुड़े बेहद संवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर सामने आई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से तुरंत निलंबित करने या उनकी शक्तियां छीनने से संबंधित कोई भी अंतरिम आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग को औपचारिक नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। व्यापिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कड़े शब्दों में स्पष्ट किया कि यदि आयोग के आधिकारिक रिकॉर्ड से यह साबित हुआ कि फैसले नियमों और संस्थागत सर्वसम्मति को ताक पर रखकर लिए गए थे, तो अदालत उन्हें तुरंत निरस्त कर देगी। शीर्ष अदालत ने कहा, पहले नोटिस का जवाब आने दीजिए। अगर चुनाव आयोग और रिकॉर्ड से यह तथ्य सामने आता है कि अमुक निर्णय तीन सदस्यीय आयोग की सर्वसम्मति या बहुमत के बिना एकतरफा



तरीके से लिए गए थे, तो हम उन सभी फैसलों को रद्द कर देंगे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने दलील दी कि जब तक इस मामले की अंतिम सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक के लिए सीईसी की शक्तियों को निलंबित किया जाए या उनसे प्रशासनिक अधिकार वापस लिए जाएं। वहीं, एक अन्य याचिका पर पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने मतदाता

पंजीकरण से जुड़े 'फॉर्म 6' में किए गए बदलावों और एसआईआर (SIR) प्रक्रिया की गंभीर खामियों को रेखांकित किया।

गुरुस्वामी ने दलील दी कि यह मामला चुनाव आयोग जैसी राष्ट्रीय संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता और साख से जुड़ा है। उन्होंने अदालत के समक्ष कहा, "हम इस देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के माहौल में बड़े हुए हैं, लेकिन आज वैसी स्थिति नजर नहीं आ रही।" इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, "हम भी अपना होमवर्क करते हैं और मामले के तमाम पहलुओं से भली-भांति अवगत हैं।"

10 महीनों में 14 बार आपत्तियों का दावा, केवल मीडिया रिपोर्ट पर कार्रवाई से इनकार

यह पूरा विवाद एक खोजी मीडिया रिपोर्ट के बाद शीर्ष अदालत की चौखट तक पहुंचा। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान एसआईआर से जुड़े फैसलों और जारी किए गए आदेशों पर कम से कम 14 बार आधिकारिक रूप से कड़ा एतराज दर्ज कराया था।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आर्टिस्ट्स-इन-रेसिडेंस कार्यक्रम के दौरान कलाकृतियों को देखा।

20 राज्यों में बारिश, गरज और तेज हवाओं का अलर्ट, बंगाल की खाड़ी में बना नया मौसम तंत्र



नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कम से कम 20 राज्यों के लिए मौसम संबंधी चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार 5 से 10 अक्टूबर के बीच कई राज्यों में बारिश, गरज-चमक के साथ बौछाड़, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में मौसम में बदलाव के साथ हल्की ठंड का अहसास शुरू हो गया है। इसी बीच बंगाल की

खाड़ी के ऊपर एक नया मौसम तंत्र विकसित हो रहा है, जिसके प्रभाव से कई इलाकों में मौसम के करवट लेने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार सिक्किम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके अलावा एक द्रोणिका उत्तर-पूर्वी बिहार से उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। मन्नार की खाड़ी और दक्षिणी तटीय तमिलनाडु के पास भी एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण बना है। यहां से एक द्रोणिका पूर्व-मध्य अरब सागर तक विस्तृत है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से कुछ क्षेत्रों में हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

यह मौसम चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है, जब कुछ सप्ताह पहले बंगाल की खाड़ी में बने तूफानी मौसम तंत्र के कारण बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति बनी थी।

भारत-स्विट्जरलैंड संबंधों की नई गति, मोदी-पॉर्मेलिन की बैठक में छह अहम समझौते

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाई पॉर्मेलिन की तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में व्यापक द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, आवागमन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा युवाओं के बीच संपर्क समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में छह महत्वपूर्ण समझौतों और सहयोग पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा देने वाला है।

ब्रिटिश एयरवेज के प्लेन में इमरजेंसी, मिनटों में 28 हजार फीट तक नीचे आया विमान, यात्रियों की अटकी सांसें

लंदन (ए.)। लंदन से अमेरिका के शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की ट्रांसअटलांटिक उड़ान में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विमान ने आयरलैंड के ऊपर उड़ान के दौरान अचानक ऊंचाई कम करनी शुरू कर दी। विमान की ओर से इमरजेंसी ट्रांसपोंडर कोड 7700 जारी किए जाने के बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल और फ्लाइट ट्रेकिंग सिस्टम के जरिए उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जाने लगी। ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान BA295 ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:50 बजे लंदन के



होथ्रो एयरपोर्ट के टर्मिनल-5 से शिकागो के ओ'हेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी। इस उड़ान का निर्धारित समय करीब 8 घंटे

40 मिनट था। उड़ान भरने के करीब एक घंटे बाद विमान करीब 37 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंच गया था। इसी दौरान विमान में अचानक एक परिचालन संबंधी समस्या सामने आई। इसके बाद विमान ने तेजी से ऊंचाई कम करनी शुरू कर दी और कुछ ही समय में करीब 28 हजार फीट नीचे आ गया। उस समय विमान आयरलैंड के ऊपर उड़ रहा था। फ्लाइट ट्रेकिंग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, बाद में BA295 ने अपना रुख बदलकर वापस लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट की ओर कर लिया।

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार, भुगतान के लिए आखिरी मौका

नई दिल्ली (आरएनएस)। अभिनेता राजपाल यादव 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। इस मामले में 5 अक्टूबर को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता द्वारा पिछली सुनवाई में दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने राजपाल यादव को भुगतान के लिए अंतिम मौका देते हुए तय समय सीमा के भीतर राशि जमा करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी।

इस मामले में 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राजपाल यादव को जेल से रिहा करने का आदेश दिया था और उन्हें 5 करोड़ रुपये जमा कराने का निर्देश दिया था। अदालत के निर्देश के बाद उन्हें निर्धारित अवधि में राशि जमा करनी थी। हालांकि, 5 अक्टूबर की सुनवाई में अदालत के समक्ष यह बात सामने आई कि अभिनेता ने निर्देश के मुताबिक भुगतान नहीं किया। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से पेश वकील ने 5 करोड़ रुपये जमा कराने के बजाय केवल 50 लाख रुपये के मांग-पत्र की छायाप्रति अदालत के सामने रखी।

वन्दे मातरम् राष्ट्र की चेतना और अखंडता का स्वर : मनोज श्रीवास्तव

प्रज्ञा प्रवाह मध्य का प्री-लोकमंथन 2026, वन्दे मातरम् एवं युवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम् (निप्र)। प्रज्ञा प्रवाह मध्य भारत प्रांत के तत्वावधान में प्री-लोकमंथन-2026, वन्दे मातरम् एवं युवा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन गर्ल्स होम साइंस कॉलेज, नर्मदापुरम् में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के पूजन एवं वन्दे मातरम् के सामूहिक गान के साथ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया गया कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए सुनील सिंह ने कहा कि लोकमंथन का अर्थ किसी वैचारिक विषय पर समाज के विभिन्न वर्गों के अभिमत एवं विचारों का मंथन करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विमर्श और वैरेटिव के माध्यम से समाज को प्रभावित करने के प्रयास पहले की अपेक्षा अधिक कठिन रूप में सामने आ रहे हैं। ऐसे समय में सत्य एवं भारतीय दृष्टि को केंद्र में रखकर विमर्श आवश्यक है। उन्होंने बताया कि लोकमंथन की यात्रा वर्ष 2016 से प्रारंभ हुई और वर्ष 2026 में राजस्थान के जयपुर में 4 से 6 दिसंबर तक लोकमंथन का आयोजन प्रस्तावित है। उन्होंने नागरिकों से lokmanthan.org के माध्यम से पंजीयन करने का आह्वान किया।

वन्दे मातरम् का ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता



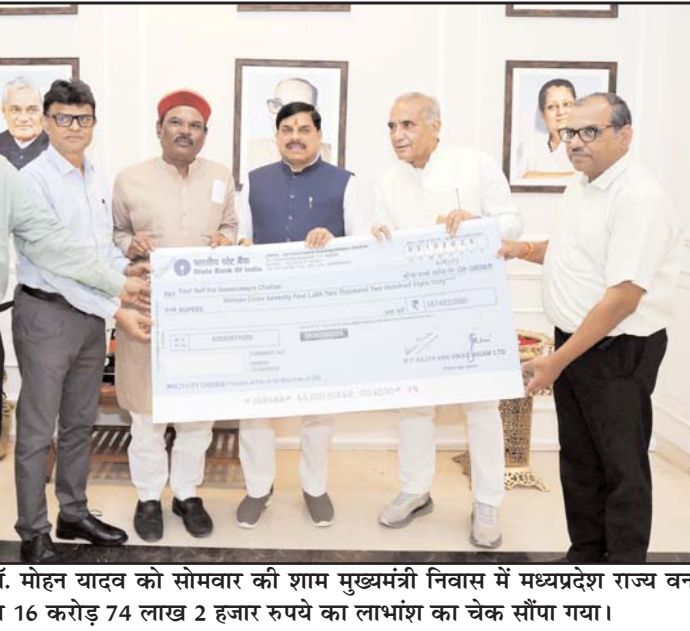
मनोज श्रीवास्तव, राज्य निर्वाचन आयुक्त, मध्यप्रदेश ने वन्दे मातरम् के ऐतिहासिक, साहित्यिक, दार्शनिक एवं संवैधानिक पक्षों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् को उसके संपूर्ण ऐतिहासिक संदर्भ में समझना आवश्यक है। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारतीयों में आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना जगाने वाला महत्वपूर्ण स्वर रहा है। उन्होंने बैंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और वन्दे मातरम् की रचना के कालक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि वन्दे मातरम् की रचना वर्ष 1875 में हुई थी, जबकि 'आनंदमठ' का प्रकाशन वर्ष 1882 में हुआ। इस प्रकार गीत की रचना उपन्यास से सात वर्ष पूर्व हुई थी। उनके अनुसार मूल गीत के भाव को केवल उपन्यास की कथावस्तु के आधार पर समझना ऐतिहासिक रूप से उचित

सभी भारतीयों के संयुक्त संघर्ष के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। श्री श्रीवास्तव ने वन्दे मातरम् के काव्य-शिल्प की व्याख्या करते हुए कहा कि इसके संपूर्ण स्थापत्य में प्रकृति, जन और संस्कृति का समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने 'सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्' के माध्यम से प्रकृति, 'कोटि-कोटि कंठ कल-कल निनाद कराले' के माध्यम से जन तथा 'त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी, कमला कमलदलविहारिणी, वाणी विद्यादायिनी' के माध्यम से संस्कृति के भाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि गीत में दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के संदर्भों को मूर्ति के रूप में नहीं, बल्कि उच्चतर काव्य-बिंब के रूप में समझना चाहिए। ये शक्ति, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक हैं।

साहित्यिक दृष्टि से काव्य-बिंब चेतना में ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि गीत के कुछ अंशों को अलग कर देखने से उसके जन और संस्कृति से जुड़े व्यापक तत्वों को समझने में कठिनाई होती है और राष्ट्र की अवधारणा केवल भौगोलिक संरचना तक सीमित होकर रह जाती है। श्री श्रीवास्तव ने वन्दे मातरम् के कुछ शब्दों की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए कहा कि इसके पीछे भारत के औपनिवेशिक अनुभव और आत्मबल जागरण का संदर्भ भी मौजूद है।

'चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा तो फैसले रोक देंगे'





“सेवा-संकल्प अभियान”- बच्चों के उ वल भविष्य और बेहतर शिक्षा के लिये सहयोग करना हमारी जिम्मेदारी : मंत्री श्री कुशवाह

ग्वालियर (आरएनएस) सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर शिक्षा के लिये उन्हें हर तरह की सुविधायें और सहयोग करना हमारी जिम्मेदारी है। छात्र-छात्राओं को भी पूरी लगन के साथ पढ़ाई करना चाहिए ताकि वे जीवन में हर क्षेत्र में सफलता



हासिल कर सकें। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने सोमवार को "सेवा-संकल्प अभियान" के अंतर्गत आयोजित "सेवा मेरा योगदान" कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम में

सामग्री का वितरण किया गया। गोल पहाड़िया स्थित हाईस्कूल में सेवा-संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधी, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित थे। उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिये अनेक सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान करने के साथ-साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये भी हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, राजू पालैया, भगवान सिंह कुशवाह, श्रीमती अंजलि पालैया, श्रीमती यामिनी परांडे, संजीव पोतनीस, सत्यपाल जादौन, विनय शर्मा, गौरव बाजपेयी एवं प्राचार्य दिवारी लाल कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जयश्रीराम के उद्घोष के साथ निकला मुकुट पूजन चल समारोह

जगह-जगह स्वागत, श्रीमुकुटों की प्राणप्रतिष्ठा, आज से मंचन

जबलपुर(ए.) । श्री गोविंदगंज रामलीला समिति का 162वां श्रीमुकुट पूजन चल समारोह धूमधाम से निकाला गया। इससे पूर्व रामलीला भवन में व्यास पं. वासुदेव शास्त्री के निर्देशन में विद्वान ब्राम्हणों ने श्री मुकुटों का पूजन विधि विधान से हुआ। भगवान श्रीगणेश, राम-सीता, लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न, अंजनी किशोर हनुमान और माता गौरी के स्वर्णजड़ित मुकुटों की प्राणप्रतिष्ठा कराई गई। शाम को पूर्व महापौर प्रभात साहू ने भी श्री मुकुटों का पूजन किया, और भगवा ध्वज दिखा कर चल समारोह को रवना किया। पूजन के उपरांत श्री साहू ने कहा कि गोविंदगंज रामलीला के श्री मुकुटों का दर्शन करना भाग्य की बात है। यहां के मुकुटों में भगवान का वाश है। इनके दर्शन से अंतरमन में शांति प्रकट



होती है। मुकुट पूजन जुलूस रामलीला भवन से प्रारंभ होकर गुड़हाई, कोतवाली, कमानिया, फुहारा, बड़े महावीर, निवाडुगंज, पांडे चोक, बल्देवबाग, चैरीताल, दमोहनका होते हुए वापस रामलीला प्रांगण में पहुंचा। मुकुट पूजन जुलूस में

अध्यक्ष अनिल तिवारी, संरक्षक राकेश पाठक, अरुण दुबे, राजकुमार गुप्ता सहित मांगू गोयल, मनीष पाठक शहर के गणमान्य नागरिक, सभी पदाधिकारी, पात्र जगत शामिल था। रामलीला जुलूस का जगह-जगह स्वागत किया गया। जुलूस में साधू मंडली, भजन मंडली, बैड-धमाल आदि माहौल को धर्मयम बना रहे थे।

आज प्रभु श्रीराम का जन्म-

गोविंदगंज रामलीला के भव्य मंच पर आज सोमवार 5 अक्टूबर को रात्रि 9 बजे से श्री नारद मोह की लीला के साथ रामलीला का मंचन अनुष्ठान शुरू हो जायेगा। नारद मोह, कामदेव चरित्र, मोहिनी स्वयंवर के बाद श्रीराम का जन्म होगा, जिसे उत्सव की तर्ज पर मनाया जायेगा। चारों भाइयों के जन्म पर मंगल गान, प्रसाद वितरण सहित कई आयोजन होंगे। अध्यक्ष श्री तिवारी ने सभी श्रद्धालुओं से भगवान की लीला का दर्शन लाभ लेने की अपील की है।

त्यापार समाचार

सोना करीब 0.5 प्रतिशत फिसला, चांदी 2.27 लाख रुपए प्रति किलो के पार

मुंबई (एन) । सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को मिलाजुला कारोबार देखा गया। शुरुआत सत्र में सोने में 0.48 प्रतिशत की गिरावट



और चांदी में 0.53 प्रतिशत की तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मजबूती के साथ 1,51,197 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

हालांकि, शुरुआती कारोबार में ही इसमें बिकवाली देखने को मिली और यह सुबह 11ः45 पर 719 रुपए या 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,49,671 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,48,850 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,51,197 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली।

चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,25,877 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,25,900 रुपए प्रति किलो पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह 1,192 रुपए या 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,27,069 रुपए प्रति किलो पर था।अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,25,601 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,27,349 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय कारोबार में सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोना 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,181 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 61.70 डॉलर प्रति औंस पर थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि गोल्ड निवेशक अमेरिका में इस हफ्ते आने वाले पीएमआई के डेटा, एफओएमसी मिनट्स और कंज्यूमर सेंटीमेंट से जुड़े डेटा का इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान सोना एक सीमित दायरे में रह सकता है और भारत में दाम 1,48,000 रुपए या 1,52,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रहने की उम्मीद है।

भारतीय शेयर बाजार मजबूत वैश्विक संकेतों से हरे निशान में खुला, पीएसयू स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ खुला। सुबह 9:20 पर सेंसेक्स 435 अंक या 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,345 और निफ्टी 110 अंक या 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,532 पर था।

शुरुआती कारोबार में पीएसयू स्टॉक्स में खरीदारी देखी जा रही है। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी पीएसई टॉप गेनर्स थे। निफ्टी एनजी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी मेटल, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी एफएमसीजी हरे निशान में थे। दूसरी तरफ, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी और निफ्टी कंजप्शन लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूती के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 426 अंक या 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,158 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 138.55 अंक या 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,197 पर था। बाजार जानकारों ने कहा कि बाजार अभी एक सपोर्ट जोन के बहुत करीब हैं, जो 21,743 और 22,182 से बना है। ये क्रमशः 2025 और 2026 की गिरावट के बाद का निचला स्तर हैं, जो दोनों अप्रैल के महीनों में देखे गए थे। इस सपोर्ट जोन ने पिछली दो बार बड़ी गिरावट को पलटने में मदद की है, इसलिए हमें उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा ही होगा।

बेकाबू कार ने 2 खड़ी गाड़ियों को रौंदा, चालक लहलुहान; ग्वालियर में वॉशिंग सेंटर के बाहर जो हुआ

ग्वालियर (आरएनएस)। (मध्य प्रदेश) डबरा ग्वालियर रोड स्थित कार वॉशिंग सेंटर पर तेज रफ्तार कार के चालक ने तेजी और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए कार वॉशिंग सेंटर के बाहर खड़ी दो गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। वहीं, कार चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार कार में तीन लोग सवार थे।

CCTV में कैद खोफनाक पल

यह तो किस्मत अच्छी थी कि कार धो रहे और कार धुला रहे व्यक्ति हादसे की चपेट में नहीं आए वरना कई लोगों की जान भी जा सकती थी। पूरी घटना दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। हादसे के सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि कार काफी तेज स्पीड में थी और काफी दूर से ही उसका गाड़ी पर से नियंत्रण हट गया था। इसके बाद जोरदार टक्कर हुई और भगदड़ मच गई। पुलिस ने कार चला रहे पंकज शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दोनों कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त, दुकान को भी नुकसान

शिकायतकर्ता अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी कार धुलाई सेंटर पर स्विफ्ट कार MP-07-AG-8842 और स्विफ्ट डिजायर कार MP-07-ZM-3407 धुलाई के लिए खड़ी थीं। तभी पंकज शर्मा निवासी जवाहर कॉलोनी डबरा अपनी स्विफ्ट कार MP-07-



CC-4888 तेज और लापरवाही से चलाते हुए आया और इन दोनों कारों को टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों खड़ी कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुकान की लिफ्ट मशीन और वैक्यूम को भी नुकसान पहुंचा।

हादसे में सुरक्षित बचे युवक सत्येंद्र रावत का कहना है कि कार चला रहा युवक काफी तेज गति में था। किस्मत अच्छी थी कि मैं बच गया वरना मेरी जान भी जा सकती थी। मामले में थाना प्रभारी संजय शर्मा का कहना है कि एक कार ने दो गाड़ियों को टक्कर मारी है। मामला दर्ज कर लिया है। घायल का इलाज जारी है। वहीं, आपको बता दें कि हाल ही में मध्य प्रदेश के डिंडोरी में जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर शाहपुर थाना क्षेत्र के आमापूहा गांव के पास भी एक

सेवा ज्योति यात्रा 7 अक्टूबर को, मेला ग्राउंड में होगा कार्यक्रम



सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, भाजपा जिला महामंत्री संजय अकोदिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। सेवा ज्योति यात्रा अंतर्गत मुख्य कार्यक्रम 07 अक्टूबर को श्री हजारेश्वर मेला ग्राउंड में आयोजित होगा, जहां प्रातः 11 बजे माननीय प्रधानमंत्री जी के लाइव उद्घोधन का प्रसारण संपन्न होगा। इसके पूर्व विधानसभा क्षेत्र से सेवा ज्योति यात्राएं निकाली जायेगी, जिनका एकत्रितिकरण मेला मैदान में होगा।

आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक शुरु, ब्याज दरों पर 7 अक्टूबर को होगा ऐलान



पहले के अनुमान के उलट दिसंबर के बजाय अक्टूबर में ब्याज दरों में 25-आधार अंक की बढ़ोतरी हो सकती है। इन हालात से सख्त पॉलिसी

की जरूरत और मजबूत होती है। बोफा ने कहा, लगभग दो साल तक मॉनिटरी सपोट (ब्याज दरों में कमी) देने के बाद, ऐसा लगता है कि आरबीआई अक्टूबर की एमपीसी बैठक में पॉलिसी सपोर्ट को धीरे-धीरे कम करने के लिए शुरुआती कदम उठा सकता है। इस कारण अब हमारा मानना ​​है कि आरबीआई अक्टूबर की एमपीसी बैठक में दरों में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी करेगा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों से जुड़े जोखिम और ग्लोबल स्तर पर जोखिमों के री-ब्राईसिंग को देखते हुए, देर करने के बजाय पहले से कदम उठाना समझदारी होगी। महंगाई का दायरा लगातार बढ़ रहा है। जुलाई में सीपीआई महंगाई दर 4.45 प्रतिशत थी, जो अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई। अल-नीनो की मजबूत स्थिति और अक्टूबर में सामान्य से कम बारिश रबी की फसल के उत्पादन के लिए और जोखिम पैदा कर सकती है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, महंगाई और दुनिया भर में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास ब्याज दरों को स्थिर रखने की गुंजाइश कम हो गई है।

इलेक्ट्रिक अवतार में आ रही MAHINDRA THAR, बॉक्सी लुक बरकरार; लुक देखकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली (ए.) ।: दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा अपनी सबसे लोकप्रिय ऑफ-रोड एसयूवी थार को नए इलेक्ट्रिक अवतार में उतारने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हाल ही में पूरी तरह कैमोफ्लॉज (कवर) से ढकी महिंद्रा की एक नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यह महिंद्रा की आगामी



थार इलेक्ट्रिकसे जुड़ा डेवलपमेंट मॉडल हो सकता है। सड़कों पर दौड़ती इस टेस्ट गाड़ी की तस्वीरों ने ऑफ-रोडिंग और इलेक्ट्रिक व्हीकल के शौकीनों के बीच भारी उत्सुकता पैदा कर दी है। सड़कों पर दिखी टेस्ट एसयूवी का डिजाइन काफी हद तक महिंद्रा के ‘विजन टी कॉन्सेप्ट’ से मेल खाता है, जिसकी झलक कंपनी ने अगस्त 2025

में दिखाई थी। इसका मूल डिजाइन साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका में पेश की गई थार.ई (Thar.e) कॉन्सेप्ट से प्रेरित है। स्पॉई तस्वीरों से साफ संकेत मिलता है कि कंपनी इसके क्लासिक और मस्कूलर बॉक्सी लुक को बरकरार रखेगी। गाड़ी के फंट में टू-लेवल पैटर्न वाली चौड़ी ग्रिल और प्यूचरिस्टिक स्क्रायर शेप (चौकोर) हेडलैम्प्स नजर आ रहे हैं, जिनमें अत्याधुनिक इल्यूमिनेटेड एलईडी लाइट्स दी जा सकती हैं। इसके साथ ही फ्लैट क्लैमशेल-स्टाइल बोनट, सीधी खड़ी विंडस्क्रीन और मजबूत फंट बंपर इसे बेहद आक्रामक रोड प्रेजेंस देते हैं। गाड़ी के साइड प्रोफाइल पर नजर डालें तो यह साफ है कि नई इलेक्ट्रिक थार 5-डोर लेआउट के साथ आएगी। इसमें फ्लैट रूपक, सीधे पिलर्स और दरवाजों तक फैला चौड़ा फ्लैट साइड-स्टेप दिया गया है, जिससे गाड़ी में चढ़ना-उतरना आसान होगा। ऑफ-रोडिंग क्षमता को ध्यान में रखते हुए टेस्ट मॉडल में बड़े और चौड़े टायर्स का इस्तेमाल किया गया है, जो संभवतः 19 इंच या 20 इंच के अलॉय व्हील्स हो सकते हैं। इसके अलावा थार की पहचान बन चुके चौकोर आउटसाइड रियर व्यू मिरर्स (ORVMs) भी इसमें शामिल हैं। एसयूवी के पिछले हिस्से में एक बड़ा, अपराइट टेलगेट और बड़ी रियर विंडो दिखाई दी है।



ट्रंप की बेबाकी काबिल-ए-गौर

ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जो कमजोर है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए।डॉनल्ड ट्रंप की बेबाकी काबिल-ए-गौर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- ‘बीते जनवरी में मेरे निर्देश पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी के अंदर तक जाकर जबरदस्त सैन्य कार्रवाई की। यह युद्ध था। (पराजित पक्ष) का सारा माल विजेता का हो जाता है।’ इसके पहले कह चुके थे कि पिछले महीने अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ ‘इतिहास का सबसे बड़ा तेल सौदा’ किया। विश्लेषकों ने इस बयान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है। वैसे ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान और क्यूबा को लेकर भी धमकी भरी ऐसी बातें कहीं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर की विभिन्न धाराओं की धन्जी उड़ती मालूम पड़ें। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर जाकर इस विश्व संस्था को बेकद्री करने की ऐसी मिसाल इसके पहले शायद ही मिलेगी।

लेकिन यहीं ट्रंप की पहचान है। वे खुद को और अमेरिका को किसी नियम-कायदे, संधि और मर्यादा से बंधा नहीं मानते। संभवतः वे सिर्फ एक सिद्धांत जानते हैं- और वह है शक्ति। यानी जिसके पास ताकत है, वही आदरणीय है। और इसकी ताजा मिसाल उन्होंने शी जिनपिंग के स्वागत के लिए सबसे अलग किस्म की ‘लाल कारीन बिछा कर’ पेश की है। चीन के राष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा (23-25 सितंबर) के दौरान ट्रंप ने प्रोटोकॉल से आगे जाकर स्वागत करने और चमकदार, भव्य आयोजनों का जो कार्यक्रम बनाया है, उसे देख कर शायद चीनी विश्लेषक भी हैरत में पड़ेंगे। जब अमेरिका और चीन की होड़ भू-राजनीति के सारे समीकरणों के केंद्र में है, ट्रंप के शी के प्रति इस झुकाव का तर्क अमेरिकियों को भी समझ में नहीं आया है। इसकी तुलना सिर्फ चार महीने पहले ट्रंप की हुई बीजिंग यात्रा से की गई है, जब चीन ने प्रोटोकॉल के अनुरूप ही उनका स्वागत किया था। वैसे, ट्रंप- शी की द्विपक्षीय आधिकारिक वार्ता से ज्यादा कुछ हासिल होगा, इसकी संभावनाएं भी कम ही हैं। मगर ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जिसके पास ताकत नहीं है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए।

सेवा की कहानी : स्वच्छता से संवर रहा शहर, आत्मनिर्भर बन रहा परिवार

कलेक्टर अभिजीत सिंह
स्वच्छता केवल शहरों को साफ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आज यह अनेक परिवारों के लिए सम्मानजनक रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार भी बन रही है। बलरामपुर की श्रीमती प्रतिमा टोप्पो की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है। स्वच्छाग्रही के रूप में कार्य करते हुए वे घर-घर से कचरा एकत्र करती हैं, उसका पृथकरण करती हैं और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। स्वच्छता से जुड़ी इस सेवा ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
श्रीमती प्रतिमा टोप्पो प्रतिदिन रिस्को से घर-घर पहुँचकर कचरा संग्रहण करती हैं। एकत्रित कचरे को सेंग्रीगेशन शेड तक पहुँचाने के बाद वे उपयोगी एवं पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग करती हैं। इस सामग्री की बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होती है। उन्हें स्वच्छता कार्य के लिए लगभग 8 हजार रुपये मासिक मानदेय मिलता है, जबकि पुनर्चक्रण योग्य सामग्री की बिक्री से 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त आय हो जाती है। इस प्रकार वे हर माह लगभग 12 से 15 हजार रुपये तक अर्जित कर रही हैं।
रोजगार से बढ़ा आत्मविश्वास, परिवार को मिला आर्थिक संबल
श्रीमती प्रतिमा टोप्पो बताती हैं कि पहले परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई होती थी। स्वच्छता कार्य से जुड़ने के बाद अब वे परिवार के राशन और अन्य जरूरी खर्चों में आर्थिक सहयोग कर पा रही हैं। अपने श्रम से होने वाली आय ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया है और उन्हें अपने परिवार के लिए आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाया है।
उनके लिए स्वच्छता का यह कार्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि सम्मान के साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर है। वे जिस तरह नियमित रूप से अपने दायित्व का निर्वहन कर रही हैं, वह स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और श्रम की गरिमा का भी उदाहरण है।
स्वच्छता अभियान से आजीविका और आत्मनिर्भरता को नई दिशा
श्रीमती प्रतिमा टोप्पो की यह कहानी बताती है कि स्वच्छता अभियान का प्रभाव केवल साफ-सुथरे शहर और मोहल्लों तक सीमित नहीं है। कचरे के उचित संग्रहण, पृथकरण और पुनर्चक्रण से आजीविका के अवसर भी तैयार हो रहे हैं। विशेष रूप से महिलाएं स्वच्छता गतिविधियों से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं।

युवा जनसंख्या,जेन जी पर राष्ट्र बोध की वैचारिकता जरूरी।

संजीव ठाकुर,

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के ४ वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 141 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ‘आशाओं पर आकाश टिका हुआ है’ और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है।

फिर यदि लक्ष्य भेडिंकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलींपिक में बिना पदक की लालसा

सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज की ओर अग्रसर

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेवाई) देश की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क और केशलसे अस्पताल उपचार उपलब्ध कराया जाता है। योजना की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर 21 सितंबर 2026 तक देश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी यानी 48.51 करोड़ से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं, 31 अगस्त 2026 तक योजना के तहत 13.25 करोड़ से अधिक अस्पताल दाखिलों के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये की राशि का वित्तपोषण किया जा चुका है।
एबी-पीएमजेवाई के तहत देशभर के 38 हजार से अधिक सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से लाभार्थियों को द्वितीयक और तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारी और महंगे उपचार के कारण परिवारों को आर्थिक संकट और भारी चिकित्सा ख़ा से बचाना है।
सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम
भारत सरकार ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 23 सितंबर 2018 को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं में 1,961 उपचार प्रक्रियाओं के लिए केशलसे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं।
आयुष्मान भारत के तहत एबी-पीएमजेवाई के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभिम) मिलकर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यापक आधार प्रदान कर रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर अस्पताल में उपचार, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक स्वास्थ्य अवसंरचना तक स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी शृंखला को मजबूत किया जा रहा है।
आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी मिला लाभ
सरकार ने मार्च 2024 में एबी-पीएमजेवाई का विस्तार करते हुए मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को योजना में शामिल किया था। 21 सितंबर 2026 तक इन वर्गों के लिए 44.81 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।
इसके अलावा 11 सितंबर 2024 को योजना का विस्तार 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक किया गया। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। 21 सितंबर 2026 तक 1.36 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं।
ग्रामीण और शहरी गरीबों को लक्षित कवरेज
योजना के पात्र लाभार्थियों की पहचान सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना-2011 में निर्धारित अभाव और व्यावसायिक मानदंडों के आधार पर की जाती है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत पहले से शामिल



के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मेदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कदु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच को सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है। यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उतम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति

एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।
सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य को प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

परिवार भी आते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवार पात्र हैं जिनके पास कच्ची दीवार और कच्ची छत वाला केवल एक कमरा है, जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क सदस्य नहीं है, महिला मुखिया वाले परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु का कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है, दिव्यांग सदस्य वाले ऐसे परिवार जिनमें कोई सक्षम वयस्क सदस्य नहीं है, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार तथा भूमिहीन परिवार जिनकी आय का प्रमुख स्रोत दिहाड़ी मजदूरी है।

शहरी क्षेत्रों में कूड़ा बीनने वालों, भिखारियों, घरेलू कामगारों, सड़क पर सामान बेचने वालों, मोचियों, फेरीवालों, निर्माण श्रमिकों, प्लंबर, राजमिस्त्री, मजदूरों, पेंटर, वेल्डर, सुरक्षा गार्ड, कुली, सफाईकर्मियों, माली, कारीगरों, दर्जियों, परिवहन श्रमिकों, चालकों, परिचालकों, रिक्शा चालकों, दुकान कर्मचारियों, डिलीवरी सहायकों, वेटरों, बिजली मिस्त्रियों, मैकेनिकों, धोबियों और चौकीदारों सहित विभिन्न श्रमिक वर्गों को पात्रता दी गई है।

विशेष श्रेणियों को भी स्वास्थ्य सुरक्षा

सरकार ने विभिन्न विशेष पहलों के माध्यम से योजना का दायरा और व्यापक किया है। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक और उनके आश्रित, पीएम-राहत के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ित, स्माइल पहल के तहत पात्र ट्रांसजेंडर व्यक्ति, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के पात्र बच्चे, नमस्ते योजना के तहत पहचाने गए कचरा बीनने वाले और सफाईकर्मी तथा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को भी स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

राष्ट्र की सेवा सर्वोपरिघ मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति का यह अमर संदेश केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का सार है। मनुष्य का जन्म केवल स्वयं के सुख, संपत्ति और वैभव अर्जित करने के लिए नहीं हुआ है। यदि जीवन का उद्देश्य केवल निजी स्वार्थ होता, तो प्रकृति मनुष्य को विवेक, करुणा, संवेदना और त्याग जैसी अनुपम शक्तियाँ कभी प्रदान न करती। मनुष्य को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी इसलिए कहा गया है क्योंकि वह अपने हितों से ऊपर उठकर समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानवता के लिए जीने की क्षमता रखता है। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ तथा ‘सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः’ हमें निधन दैता है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है। वहीं ‘जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी’ का उद्धोष यह स्मरण कराता है कि मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का जीवन राष्ट्र को उन्नति और समाज की समृद्धि के लिए समर्पित होना चाहिए। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं— ‘स्वधर्मं निधनं श्रेयः।’ अर्थात् अपने कर्तव्य के मार्ग पर चलते हुए प्राणों का उत्सर्ग भी कल्याणकारी है। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा— ‘परहित सारिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सन नहि अधमाई।’ इन दोनों वचनों का सार यही है कि मनुष्य का वास्तविक धर्म लोकमंगल और परोपकार है।

महात्मा गांधी का कथन— ‘स्वयं को पाने का सर्वोत्तम तरीका है स्वयं को दूसरों की सेवा में खो देना’ — आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद युवाओं का आह्वान करते हुए कहते हैं ‘उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।’ उनका लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि भारत का पुनर्जागरण था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के माध्यम से स्पष्ट किया कि व्यक्ति, समाज

और राष्ट्र एक-दूसरे के पूरक हैं। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संगठित समाज को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति माना, जबकि श्री गुरु गोलवलकर ने राष्ट्रभक्ति को सांस्कृतिक चेतना का सर्वोच्च रूप बताया। समाज मनुष्य को भाषा, संस्कार, शिक्षा, संस्कृति और पहचान देता है। इसलिए समाज के प्रति हमारा दायित्व है कि हम सत्यनिष्ठ, ईमानदार और संवेदनशील नागरिक बनें। निर्धनों की सहायता, महिलाओं का सम्मान, शिक्षा का प्रसार, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और नैतिक आचरण केवल आदर्श नहीं, बल्कि नागरिक धर्म हैं। अधिकारों की अपेक्षा यदि कर्तव्यों को अधिक महत्व दिया जाए, तो समाज स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बन जाएगा। राष्ट्र के प्रति दायित्व इससे भी व्यापक है। राष्ट्र केवल मानचित्र पर अंकित सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के सपनों, संघर्षों, संस्कृति और अस्मिता का सजीव प्रतीक है। संविधान का सम्मान, राष्ट्रीय एकता की रक्षा, मतदान, करों का ईमानदारी से भुगतान, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा तथा अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करनी भी राष्ट्रसेवा के ही स्वरूप हैं। एक शिक्षक का ज्ञान, किसान का श्रम, वैज्ञानिक का अनुसंधान, चिकित्सक की सेवा और सैनिक का बलिदान—सभी मिलकर राष्ट्र की शक्ति का निर्माण करते हैं।

भारत का इतिहास ऐसे असंख्य महापुरुषों से आलोकित है जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्र के चरणों में अर्पित कर दिया। महाराणा प्रताप ने स्वाभिमान के लिए कठिनाइयाँ खींकार कीं, छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना का स्वप्न साकार किया, रानी लक्ष्मीबाई ने अदम्य साहस का परिचय दिया। मंगल पांडे, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ, सुखदेव, राजगुरु, खुदीराम बोस और नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अपने रक्त से स्वतंत्रता का इतिहास लिखा। नेताजी का उद्धोष तुम मुझे ख़ुद दो,

मैं तुम्हें आजादी दूँगा यह राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है।

स्वतंत्र भारत में भी यह परंपरा अखिलर रही। कैप्टन विक्रम बत्रा का उद्धोष ये दिल माँग मोर केवल युद्ध का नारा नहीं, बल्कि मातृभूमि के लिए सर्वत्र समर्पण का प्रतीक बन गया। कैप्टन मनोज कुमार पांडेय, मेजर शैलान सिंह, मेजर संदीप उन्नीकृष्णन और असंख्य वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा।

आज राष्ट्र के लिए न्योछावर होने का अर्थ केवल रणभूमि में शहीद होना नहीं है। ईमानदारी से अपना कार्य करना, भ्रष्टाचार का विरोध करना, सामाजिक सौहार्द बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, शिक्षा और संस्कारों का प्रसार करना तथा राष्ट्रीहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना भी उतना ही बड़ा राष्ट्रधर्म है। जब प्रत्येक नागरिक यह सोचने लगे कि मुझे राष्ट्र से क्या मिला के बजाय मैं राष्ट्र को क्या दे सकता हूँ तभी सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय पुनर्जागरण संभव होगा।

अंततः यह निर्विवाद सत्य है कि मनुष्य का जन्म समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनने के लिए हुआ है। जो व्यक्ति अपने जीवन को लोकमंगल के लिए समर्पित कर देता है, वही कालजयी बनता है। धन, पद और यश क्षणिक हैं, किंतु सेवा, त्याग और बलिदान अमर हैं। आइए, हम सब यह संकल्प लें कि हमारा ज्ञान, हमारा श्रम, हमारा समय और हमारा जीवन भारत माता को उन्नति, समाज की समृद्धि और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित रहेगा। यही सच्चा राष्ट्रधर्म है, यही भारतीय संस्कृति का प्राण है और यही मनुष्य जीवन की सर्वोच्च सार्थकता है।

मे़ष राशि: मे़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आपका ध्यान अपने काम को पूरा करने में लगेगा, आपके अधिकतर काम सफल होंगे। आज आप बुजुर्गों की सेवा का लाभ उठायेंगे, उनके आशीर्वाद से आपके जीवन में चल रही समस्याएं खत्म होंगी।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप व्यापार में अच्छा लाभ कमायेंगे, जिससे आपके सपने जल्द ही पूरे होंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा, बिना भी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे। आज आप कुछ वक्त अध्यात्म में बितायेंगे, आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव बना रहेगा। आज आपको नौकरी में किसी बड़ी कंपनी से ऑफर आएगा और आपका इंटरव्यू भी क्लियर हो जायेगा। आज आपको किसी शारीरिक समस्या से छुटकारा मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आज आप कोई नया मुकाम हासिल करने में सफल रहेंगे, आपको प्रशंसा होगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक समस्या खत्म होगी। आज आपके कानूनी मामले किसी की मदद से सुलझ जायेंगे, आप राहत महसूस करेंगे। आज आप निजी जीवन से संबंधित कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं, जिसका आपको पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बड़ा बटायेगे, जिससे आपको छवि अच्छी बनेगी। इस राशि के अविवाहित व्यक्तियों को विवाह प्रस्ताव मिल सकता है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी काम को शांत मन और गंभीरता के साथ करेंगे तो आपको उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। आज आप अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए, उसकी नयी ब्रांच ओपन कर सकते हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके कारोबार में उन्नति होगी, भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं, आपको अच्छा लगेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप कोशिश करें, की किसी भी बात के ऊपर बिना सोचे समझें रियेक्ट न करें। इससे आपके रिस्ते खराब हो सकते हैं। आज आप अपने आत्मविश्वास को कम न होने दें, आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। साथ ही जमीन जायदाद के मामलों को निपटाने के लिए, आज का दिन ठीक है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने मार्केट जा सकते हैं। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेंट में खाना भी खायेंगे। आज कई दिनों से अटका हुआ आपका काम पूरा हो जायेगा। आज आप मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे, आपका दिन अच्छा बनेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपकी सहायता से किसी व्यक्ति का काम बन जायेगा। आज आप नए अवसरों की तलाश में बाहर निकलेंगे, जहां आपको कई बेहतरीन मौके मिलेंगे। आज आपको ससुराल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी, जिससे घर का माहौल अच्छा रहेगा।

कुंभ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापारिक रिश्तों का बड़ा लाभ मिलेगा। साथ ही आप कुछ नया काम भी शुरू कर सकते हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा, आपको किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए पहले से बेहतर रहेगा। आज आप वाप वो करें, जिसे करने से आपको खुशी प्राप्त हो। आज आप किसी सामाजिक समारोह में शामिल होंगे, जहां आपका मान सम्मान होगा।



अभी नहीं तो कभी नहीं, सब आ जाओ एक साथ; अभिजीत दीपके ने भरी हुंकार

मुंबई, (आरएनएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विवेक का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। रविवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के वरिष्ठ नेताओं ने मुंबई में विशाल 'विराट गर्जन मोर्चा' निकाला। बदरनाकारियों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सवाल उठाए तथा मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की।

माचों की शुरुआत मेट्रो सिनेमा से हुई और यह सीएसएमटी के पास बीएमसी मुख्यालय के बाहर जनसभा में तब्दील हो गया। खास बात यह रही कि प्रदर्शनकारियों ने किसी राजनीतिगत दल का झंडा नहीं उठाया। बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा और संविधान की प्रतियां लेकर मार्च में शामिल हुए। आयोजकों ने इसे लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा से जुड़ा जनआंदोलन बताया। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर जोर पर सवाल उठाए। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि एसआईआर के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं और इससे उनके मताधिकार पर असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, ये आरोप विपक्षी दलों के हैं और चुनाव आयोग चुनावी प्रक्रिया को निर्धारित कानूनी एवं संवैधानिक प्रावधानों के तहत संचालित करने की बात कहता रहा है।

**वोट की चोरी हो रही है', तेजस्वी ने चुनाव
आयोग से लेकर केंद्र सरकार को घेरा**

पटना, (आरएनएस)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग वही करता है, जो भाजपा चाहती है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार जैसे लोग आते-जाते रहते हैं, लेकिन असली लड़ाई भाजपा और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि चुनाव आयोग और ज्ञानेश कुमार का काम कथित फर्जीवाड़े के जरिए भाजपा को चुनाव जिताना रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त को कार्नाटकराक्षण दिया गया है। तेजस्वी ने कहा कि राष्ट्रपति भी पद से हटने या कार्यकाल समाप्त होने के बाद कार्रवाई का सामना कर सकते हैं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त पद से हटने के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने चुनाव संबंधी रिकॉर्ड रखने की अवधि कम कर दिया जाने और मुख्य चुनाव आयुक्त को नियुक्ति के लिए चयन पैल में बदलाव का भी मुद्दा उठाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले वोट के रिकॉर्ड को एक साल तक रखने का प्रावधान था, जिसे घटाकर 45 दिन कर दिया गया। साथ ही, मुख्य यात्राधीशी को चयन पैल से हटाकर केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया। इन बदलावों के खिलाफ विपक्ष जनता के बीच जाएगा और लड़ाई जारी रखेगा।

हैवानियत : दोस्त से फोन पर बात करने पर
बेटी को बनाया बंधक, मां की मौजूदगी में
पिता ने 5 बार किया रेप, तस्वीरें भी खींचीं

अंजार, (आरण्यएस)। गुजरात के कच्छ जिले के अंजार से रिश्तों को तार-तार करने वाली दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग लड़की ने अपने ही माता-पिता पर गैरंते घोट कर देने वाला गंभीर आरोप लगाए हैं। पौडिता की शिकायत के मुताबिक, किसी लड़के से फोन पर बात करने से नाराज माता-पिता ने पहले उसे कई दिनों तक बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा, फिर मां की मौजूदगी में कलयुगी पिता ने उसके साथ पांच बार दुष्कर्म किया। हद तो तब हो गई जब इस दरिंदगी के दौरान मां खुद बेटी की नग्न तस्वीरें खींचती रही। पुलिस ने मामले को गंभीरता को देखते हुए आरोपी माता-पिता दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, विवाद की शुरुआत 14 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 1 बजे हुई। पीड़िता मां ने अपने एक दोस्त से फोन पर बात कर रही थी, जिसे उसकी मां ने देख लिया। दोपहर करीब 2:30 बजे जब पिता खाना खाने घर पहुंचे, तो मां ने उनसे बेटी के फोन पर बात करने की शिकायत कर दी। इसके बाद पिता ने अपना आपा खो दिया और किशोरी के साथ बुरी तरह मारपीट की। उसका खाना-पीना बंद कर दिया गया और दैर रात 12 बजे तक उसके कमरे में बंद रखकर पीटा जाता रहा। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 15 सितंबर की रात करीब 1 बजे माता-पिता ने लड़की को घर के हॉल में ख़ाट पर जबरन लातिया। दोनों ने मिलकर उसके कपड़े उतारे और मां की मौजूदगी में पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। यह दोषीनाक सिलसिला यहीं नहीं थमा; 16 और 17 सितंबर की रात भी मां की इसी तरह मां के सामने पिता ने उसके साथ दरिंदगी दोहराई। किशोरी को तीन दिनों तक घर के अंदर भूखा-प्यासा बंधक बनाकर रखा गया और 20 सितंबर के उसके साथ दोबारा मारपीट की गई।

पहाड़ों में उमड़ा सैलानियों का भारी सैलाब, नैनीताल में होटल फुल होने पर बस अड्डे पर कटी रात; कैंची धाम तक लगा भीषण जाम

देहरादून/शिमला, (आरएनएस)। गांधी जयंती के बाद छुट्टियों के चलते मिले लंबे वीकेंड का लुप्त उठाने मेंदानी इलाकों से लाखों सैलानी पहाड़ों और रुख कर गए। इसके चलते उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन शहरों में व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमराती नजर आईं। नैनीताल में हालात इस कदर बिगड़ गए कि शहर के सभी होटल, होमस्टे और गेस्ट हाउस हाउसफुल हो गए। देर रात तक सैलानी अपने परिवजनों और सामान के साथ कमरों के लिए सड़कों पर भटकते रहे और अंततः जाह न मिलने पर कई पेटटोकों को कड़कों की टोंड के बीच बस अड्डे पर ही रात गुजारनी पड़ी। वहीं शिमला, मनाली और बद्रीनाथ यात्रा रूट पर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लगा गईं। नैनीताल में वीकेंड पर करीब 12 हजार पर्यटकों के पहुंचने से पहाड़ी सड़कों की क्षमता जवाब दे नहीं। भवाली से कैंची नाम, भगमगानी और खेरना तक गाड़ियां रंगती रहीं। शहर के भीतर हलद्वानी रोड, भवाली रोड, मालरोड और शेरवानी मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा। कमरों की भारी किल्लत के चलते रात 1 बजे तक सैलानी मालरोड पर परेशान घूमते दिखे। इसके बावजूद दर्शन के समय नैनी झील में नौकायन, चिड़ियाघर और हिमालय विश्वन जैसे दर्शनीय स्थलों पर सैलानियों का भारी जमावड़ा बना रहा।

लखनऊ में गोमती के उफान से हहाकार, सैकड़ों घरों में घुसा बाढ़ का पानी; कॉलोनियों से पलायन और बिजली ठप

लखनऊ (आरएनएस)। राजधानी लखनऊ में गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर ने विकासल रूप ले लिया है, जिससे शहर के कई रिहायशी इलाकों में बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। नदी का पानी तटवर्ती इलाकों की आवासीय कॉलोनिंगों में घुसने से लाखों लोग अपने ही घरों में कैद हो रहे हैं। स्थिति इतनी नाजुक हो गई है कि लोग घरों पर ताले लगाकर सुरक्षित ठिकानों की ओर पलायन कर रहे हैं। फैजुल्लागंज और ईटौजा इलाके बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं, जबकि वीआईपी और आधुनिक रिहायशी इलाकों जैसे प्लासियो मॉल और एमार गोमती प्रीम्स सोसाइटी के पास भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है।

डीएम और जेसीपी ने घुटनों भर पानी में उतरकर लिया जायजा

बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी विशाख जी. और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने



युटनों भर पानी में उतरकर और नावों के जरिए बरावन कला, सैथा और जेहटा समेत कई प्रभावित गांवों में बस्तियों का मुआयना किया। अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्य में तेजी लाते हुए गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के आदेश दिए हैं। इलाके में 10 अतिरिक्त

नावें तैनात करने, दाऊद नगर में अतिरिक्त कंट्रोल रूम स्थापित करने और जलभराव वाले क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को रोकने के लिए रात की पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दुबगंगा के लालजी टंडन वार्ड के आधा दर्जन से अधिक गांवों में भी राहत कार्य युद्धस्तर पर शुरू कराया गया है।

राहत सामग्री और नावों की कमी पर फूटा जनता का गुस्सा

बाद पीड़ितों में प्रशासन की व्यवस्थाओं को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। फैजुल्लागंज के पवन विहार में घंटों नाव का इंतजार करने के बाद भी मदद न मिलने पर स्थानीय नागरिकों की पुलिसकर्मियों से तीखी नोकझोंक हो गई। लोहारमऊ, दाऊद नगर, श्याम सुंदर नाला, गोमती पुरम और पवन विहार जैसे इलाकों में कई परिवार भोजन और पीने के पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी मदद

केवल मुख्य राहत शिविरों तक सीमित है और अंदरूनी बस्तियों तक नहीं पहुंच पा रही है। उधर, ईटों का भी राहत सामग्री बांटने पहुंचे क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ला की गाड़ी को नाराज ग्रामीणों ने घेर लिया और जमकर हंगामा मचाया। ग्रामीणों ने दुधरा और अकड़रिया के लिए कोटाबोट, भोजन और राशन की तत्काल आपूर्ति की मांग की, जिसके बाद मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति संभाली।

प्लासियो मॉल और एमार सोसाइटी तक पहुंचा पानी, नाला बंद कराया गया

गोमती नदी का बैक-फ्लो पानी खुले नालों के जरिए शहीद पथ स्थित प्लासियो मॉल तक पहुंच गया, जिससे मुख्य सड़क पर जलभराव हो गया। जानकारी मिलते ही नगर निगम और लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की टीमों ने मौके पर पहुंचकर नाले को बंद कराया और पंपों के जरिए पानी को बाहर निकाला।

वोट कटने और सीईसी कानून पर भड़के पूर्व जज, जस्टिस नरीमन बोले- खतरे में लोकतंत्र, सुप्रीम कोर्ट तुरंत ले सज्जान



नई दिल्ली, (आरएनएस)। मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं के न हटाए जाने और वोटिंग के अधिकार को प्रभावित करने से संबंधित को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। संसदीय कार्य विभाग के सूची विभाग के मौजूदा जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयाँ के बाद अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रोहिंटन फली नरीमन ने भी भारत के निर्वाचन आयोग के कामकाज के तरीके पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। चुनाव

आयोग को कार्यप्रणाली पर जस्टिस नरीमन की दो सुपीम कोर्ट के पूर्वी न्यायाधीश जस्टिस रोहिंटन नरीमन चुनाव आयोग की श्वेतचर्चा और फैसलों पर सवाल करते हुए कहा कि देश में ऐसा निर्वाचन आयोग न बन सकता जो इस तरह से काम करे या अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का सही निर्वहन न करे। उन्होंने यह टिप्पणी बोरल लिस्ट रीवीजन के दौरान लाकों वैध मतदाताओं नाम कटने और उन प्रशासनिक रिपोर्टों के मद्देनजर निर्मित आरोप लगाया गया था कि मुख्य चुनाव आयोग साक्षी दोनों चुनाव आयुक्तों को आपत्तियों को अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। जस्टिस नरीमन ने इस बात गहरा अफसोस जताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंक्विजिशन के तहत करीब 90 लाख मतदाताओं के नाम जैसे गैरवांन वृथ्वा समाने होने के बावजूद इस प्रक्रिया पर लगाने या इसकी गहन समीक्षा के लिए ठोस कदम नहीं गए। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयुक्तों की निष्प्रक्रिया को पूरी तरह से मौजूदा सरकार के नियंत्रण में जाने को लोकतंत्र के लिए एक बड़ी खतरा की घंटी दिया।

**जातीय खेलों में लड़ता भारत नहीं, हमें एक
भारत-श्रेष्ठ भारत चाहिए : मुख्यमंत्री योगी**

लखनऊ (आएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें बिखरा हुआ और जातीय खेमों में आपस में लड़ता भारत नहीं, बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत चाहिए। जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज को बांटना राष्ट्र और भारतवर्ष की माता के प्रति अपराध है। गुलामी के दौर में भी एक वर्ग समाज को बांटता था, जबकि दूसरा समाज जो जादूकर स्वाधीनता की हुंकार भरता था। आज भी वही प्रवृत्ति अलग-अलग रूपों में दिखाई दे रही है। ऐसे में शिक्षक समाज की जिम्मेदारी है कि विभाजनकारी ताकतों को सफल न होने दें। मुख्यमंत्री रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक में अध्यक्षता



गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित प्रांतीय शिक्षक परिषद कायशाला को संशोधित कर रहे हैं। गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कायशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा और माता भावती देवी को नमन करते हुए कहा कि गायत्री परिवार ने यज्ञ के माध्यम से समाज को जोड़कर सामाजिक एकता का आदर्श प्रस्तुत किया। पंडित श्रीराम शर्मा सांठान को अपना नाम दे सकते हैं, लेकिन उन्होंने विचार को प्रधानता दी। व्यक्ति के नाम पर चलने वाले सांठान पराशरिया हो जाते हैं, जबकि गायत्री लंबी यात्रा करता है। गायत्री परिवार की 100 वर्षों की साधना सस्का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 1923 में गीता प्रेस, 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और 1926 में अखिल विश्व गायत्री परिवार की स्थापना हुई। रास्ते अलग थे, लेकिन तीनों ने जनचेतना जगाने और समाज को सनातन मूल्यों, भारत और भारतीयता से जोड़ने का काम किया।

खूंखार मगरमच्छ के जबड़े में था भाई, 2 जांबाज भाइयों ने पानी में कूदकर लड़ी डेढ़ घंटे जंग; मौत के मुंह से स्वीच लाए जिंदगी

माँ में बौद्ध, (अरएनएस)। ओडिशा के बौद्ध जिले में दो सगे भाइयों ने अदम्य साहस और भाईचारे की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया। महानदी के गहरे पानी में एक विशाल और खुंखार मगरमच्छ जब उनका सिंहासनाब्ज जिंदा निगलने की कोशिश कर रहा था, तब दोनों भाइयों ने अपनी जान की तौलक भी परवाह न करते हुए सिंधे नदी में छलांग लगा दी। पानी के भीतर करीब डेढ़ घंटे तक चले रोंपटे खड़े कर देने वाले खूनी संघर्ष के बाद दोनों जांबाज अपने-अपने भाई को सचमुच युक्त के जबड़े से जिंदा खींच लाए। इस रूढ़ कंपा देने वाली घटना के बाद घातलाग बूटें मगरमच्छ ने अचानक किया जानलेवा हमला परतकरा

दे। दिल देहला देने वाली यह वारदात रविवार शाम हरभंगा ब्लॉक अंतर्गत मराड़ा
महानदी घाट पर घटी। मराड़ा गांव निवासी सुधीर बेहरा रविवार शाम को महानदी
किनारे शौच के लिए गए थे। उन्हें इस बात का कतई भान नहीं था कि शांत
दिख रहे पानी के नीचे खूबरा शिकारी बाल लगाए बैठे हैं। सुधीर जैसे ही पानी
के किनारे पहुंचे, नदी में छिपे एक विशालकाय मगरमच्छ ने बिजली की तेजी से
उन पर हमला बोल दिया। मगरमच्छ ने अपने मजबूत और मुकोले जकड़ों से सुधीर
को जकड़ लिया और उन्हें खींचते हुए नदी के गहरे पानी की ओर ले जाने लगा।
अप्रत्याशित हमले के बावजूद सुधीर ने हिम्मत नहीं हारी और मदद के लिए जोर-
जोर से चीखने-चिल्लाते लगे।

भाई की खीखें सुनकर नदी में कूद पड़े दो जांबाज
सुधीर को दिल दहला देने वाली आवाज सुनकर उनके भाई छिंद्र बेहरा और
चचेरे भाई प्रमोद प्रधाप फौरन घाट की तरफ दौड़ पड़े। वहां का खौफनाक मंजर
देखकर किसी की भी रूह कांप जाय, क्योंकि कमिश्नरी सुधीर को अपनी मजबूत
गिरफ्त में दबाकर नदी की अतल गहराइयों में खींचने की कोशिश में जुटा था।
सामने साक्षात मौत मंडरा रही थी, लेकिन भाइयों ने एक पल की भी देरी किए
बिना सोचें गहरे पानी में छलांग लगा दी और बिना किसी हथियार के खाली हाथ
खूंखार मगरमच्छ पर टूट पड़े।

डेढ़ घंटे तक पानी में चला ज़िदगी और मौत का खूनी संग्राम
इसके बाद महानदी के पानी में लगभग डेढ़ घंटे तक ऐसा खूनी मुकाबला चला
जो किसी की भी सासें थाम दे। पानी के भीतर एक तरफ सुधीर अपनी जान बचाये



के लिए मगरमच्छ जबड़ों को खोलने की कोशिश कर रहे थे, तो दूसरी तरफ छिबड़ और प्रमोद अपनी पूरी ताकत से मगरमच्छ पर लगातार वार कर रहे थे। मगरमच्छ भी बार-बार पलटकर दोनों भाइयों पर झपट रहा था और अपने शिकार को छोड़ने को तैयार नहीं था। लेकिन दोनों भाइयों के चढ़नी हाँसले, निडरता और लगातार किए जा रहे प्रहारों के आगे आखिरकार आदमखोर शिकारी पस्त हो गया। मगरमच्छ सुधीर को छोड़कर अगे की गहराइयों में भाग निकला। मगरमच्छ को मुकिले दाँतों और पंजों के गहरे घावों के कारण सुधीर लहलुहान होकर बेहोश हो गए। घटना के तुरंत बाद परिजान और स्थानीय लोग वन्यजीव विभाग के वाहन की मदद से उन्हें पुरुषाकटक समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बौद्ध जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर कर दिया, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। अपनी जान दौब पर लागकर भाई को साक्षात काल के जबड़े से बचा लाने वाले दोनों भाइयों के इस अदम्य पाक़म की गूँज पूरे इलाके में है और हर कोई उनके जन्मे की सलाम कर रहा है।

जेम ग्रेनाइट के मालिक पर नाबालिगों से रेप का 5वां केस दर्ज, नौकरी का झारंसा देकर शोषण का आरोप

चेन्नई, (आरएनएस)। मशहूर जेम ग्रेनाइट ग्गप के 84 वर्षीय मालिक आर. वीरमणि की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बच्चे के साथ यौन शोषण और दुष्कर्म के मामलों की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने उद्योगपति के खिलाफ पांचवां अलग आपराधिक मामला दर्ज किया है। यह नई प्रारंभिकी चेन्नई निवासी एक पीड़िता की औपचारिक शिकायत के बाद दर्ज की गई है। इसी बीच, तिरुवन्नामलाई की एक अन्य महिला ने भी एसआईटी से संपर्क कर आरोप लगाया है कि जब वह नाबालिग थी और उत्पीड़न किया था, तब वीरमणि ने नीकरी दिलाने का झांसा देकर उसका यौन उत्पीड़न किया था।

आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद हुई थी गिरफ्तारी
 आर. वीरमणि को 29 अगस्त 2026 को एक बच्चे के साथ रेप का खौफनाक वीडियो सामने आने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में पुलिस ने उसके दो अन्य सहयोगियों—शान्ति और महेंद्र सिंह—को भी दबोचा था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने आरोपी उद्योगपति पर कड़ा रख अखिराज करते हुए उसे गुंडा एक्ट के तहत गिरासत में भेज रखा है। इस हाई-प्रोफाइल मामले ने उस वक्त राज्य के राजनीतिक आ समाजिक हलकों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया था, जब यह खुलासा हुआ कि पुलिस ने फरवरी 2026 में विशेष पोबसो अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में आगे की कानूनी कार्रवाई बंद करने की बात कही थी। हालाँकि, अदालत ने अगस्त 2026 में पुलिस को इस क्लोजर रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए मामले की नए सिरे से गहन जांच के आदेश जारी किए। इसके बाद गठित एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक चार गिरफ्तारियाँ की हैं और पांच अलग-अलग मामलों दर्ज किए हैं।



अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की.

स्पेन: आवासीय संकट और भारी विरोध प्रदर्शन के बीच बैकफुट पर सरकार, समय पूर्व चुनाव का एलान, कब होगा मतदान ?

स्पेन (ए.)। स्पेन में आवासीय संकट के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। देश की संसद में करारी हार के बाद स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सोमवार को समय से पहले चुनाव कराने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने यह एलान ऐसे समय पर किया जब देशभर में उनकी सरकार आवासीय संकट को लेकर बैकफुट पर है। पिछले हफ्ते देश में आवासीय संकट से जुड़े आपातकालीन उपायों को लेकर उनकी सरकार को संसद में करारी हार का सामना करना पड़ा था। प्रधानमंत्री सांचेज के एलान के बाद चुनाव की तारीख 29 नवंबर को तय की गई है।

क्या है लोगों की मांग ?

बता दें कि हाल के हफ्तों में, स्पेन के लोगों ने सरकार से घरों की किफायती कीमतों को लेकर समाधान की मांग



की है। इस बीच पिछले महीने मैड्रिड में एक 87 वर्षीय महिला को घर से बेदखल किए जाने का मामला सामने आया। इस घटना का वीडियो टीवी पर भी जमकर प्रसारित

किया गया। इसके बाद पूरे देश में लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। इस घटना के विरोध में देश भर के शहरों में जमकर विरोध प्रदर्शन हुए।

सदन में कैसे मिली शिकस्त ?

बता दें कि दक्षिणपंथी विपक्षी दलों ने संसद में सरकार के दो आपातकालीन आदेशों को भी रोक दिया। इन आदेशों में बेदखली और रियल एस्टेट में सट्टेबाजी को कम करने के उपाय शामिल थे। विपक्षी पार्टियों द्वारा दिए गए झटके के बाद ऐसी अटकलें तेज हो गई थी कि सांचेज अगले साल होने वाले राष्ट्रीय चुनाव को समय से पहले कराने पर विचार कर सकते हैं। 54 वर्षीय पेड्रो सांचेज वर्ष 2018 से स्पेन के प्रधानमंत्री हैं। वे यूरोप के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में से एक बन गए हैं।

एक्सप्लेनर: विमान हाईजैक कर इस्त्राइल को ऐसा जरख्म देना

चाहता था हमाम; 174 नहीं, निशाने पर थी हजारों की जान ?

फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के कॉकपिट में हुए हमले के बाद तेल अवीव के अजरीली टावर्स चर्चा में हैं। जांच से जुड़े दावों के मुताबिक, सह-पायलट हमाम अल-हमामी सिर्फ विमान पर कब्जा करने की कोशिश नहीं कर रहा था, बल्कि विमान को आतंकी हमले के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बना रहा था। एक वरिष्ठ अमीराती सूत्र के मुताबिक, उसका संभावित निशाना तेल अवीव का अजरीली सेंटर हो सकता था।

हमाम का प्लान क्या था ? क्या हमले को पहले से तैयारी की जा रही थी ? आखिर अजरीली टावर्स इतने अहम क्यों हैं ? इनकी खासियत क्या है ? फ्लाईदुबई के घटना की तुलना 9/11 से क्यों हो रही है ? आइये जानते हैं...

फ्लाईदुबई के विमान में क्या हुआ था ?

फ्लाइट FZ1073 में 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जाते समय कॉकपिट में सह-पायलट हमाम अल-हमामी ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर कॉकपिट में रखी आपातकालीन कुल्हाड़ी से हमला किया और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की। हमले में कैप्टन मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने विमान का नियंत्रण बचाए रखने के लिए संघर्ष किया और घायल हालत में कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिसके बाद यात्री और क़ू के सदस्य अंदर पहुंचे और सह-पायलट को काबू में किया। इसके बाद विमान में सवार दो ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने नियंत्रण संभाला और विमान को सऊदी अरब के तबूक में आपात लैंडिंग कराई।

क्या था हमाम का प्लान ?

इस्त्राइली मीडिया यनेट की रिपोर्ट के मुताबिक, जांचकर्ता इस आरोप की जांच कर रहे हैं कि हमाम विमान को हाईजैक कर इस्त्राइल की किसी



ऊंची इमारत से टकराना चाहता था। संभावित निशाने के तौर पर अजरीली टावर्स का नाम सामने आया है। दावे के मुताबिक, योजना सीधे विमान को लेकर किसी इमारत से टकराने की नहीं थी। हमाम कथित तौर पर विमान पर कब्जा करने के बाद उसे सामान्य तरीके से तेल अवीव तक ले जाना चाहता था और आखिरी समय में उसे किसी बड़े निशाने से टकरा सकता था। यानी विमान तब तक सामान्य उड़ान जैसा दिखाई देता, ताकि एयर ट्रेफिक कंट्रोल और सुरक्षा एजेंसियों को समय रहते शक न हो। बेन गुरियन हवाई अड्डे से अजरीली टावर्स की दूरी करीब 23.4 किलोमीटर है।

क्या हमले की पहले से तैयारी की जा रही थी ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमाम पिछले कुछ महीनों में कई बार इस्त्राइल और बेन गुरियन हवाई अड्डे जा चुका था। जांचकर्ता अब इन यात्राओं की भी पड़ताल कर रहे हैं। दावा है कि वह जून में इस्त्राइल गया था और वहां संभावित हमले के लिए जानकारी जुटाई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उसने जुलाई में हमले को योजना बनाई थी, लेकिन आखिरी समय पर इसे टाल दिया।

मनोरंजन

अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया,

कहा-सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने



अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और ईसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को टोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन ईसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूँ, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य ईसान की तरह देखूंगी।महाकाव्य श्री रामायण कथा के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि क़रू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया।उन्होंने कहा, ऋहमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।

बता दें कि, महाकाव्य श्री रामायण कथा में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अधिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई है।

रात को सोने से पहले इन 5 स्किन केयर

आदतों को अपनाएं, त्वचा रहेगी स्वस्थ

पानी हमारे शरीर के लिए सबसे अहम तत्व है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर में नमी बनी रहती है और हानिकारक तत्व बाहर निकलते रहते हैं।

दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। अगर आप चाहें तो नींबू पानी या नारियल पानी भी पी सकते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इससे आपके पाचन तंत्र को भी मदद मिलेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ खाएं

प्रोटीन हमारे शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। दालें, चना, राजमा आदि प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें रोजाना अपने खाने में शामिल करना चाहिए। इसके अलावा दूध, दही जैसे डेयरी उत्पाद भी अच्छे प्रोटीन स्रोत हैं।इससे न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी बल्कि आपकी ऊर्जा स्तर भी ऊंचा रहेगा। प्रोटीन युक्त आहार खाने से आप लंबे समय तक तृप्त महसूस करेंगे और ज्यादा खाने से भी बचेंगे।

संतुलित मात्रा में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व लें

संतुलित मात्रा में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व लेना बहुत जरूरी है ताकि शरीर सभी जरूरी तत्व प्राप्त कर सके। अपने खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा सभी प्रकार के पोषक तत्वों को संतुलित मात्रा में शामिल करें ताकि शरीर को पूरा पोषण मिले। इन सरल तरीकों अपनाकर आप अपने रोजमर्रा के भोजन को संतुलित और पौष्टिक बना सकते हैं, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी, जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में दिखेगा अनोखा सफर

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर की अपकमिंग फिल्म खूबसूरत है में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अल ग – अल ग है। फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी जो कहलाई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारू।कपिल ने आगे कहा, फिल्म जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए बेहद खास है। यह रिस्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी में छिपी खूबसूरती के बारे में है। तनीषा ने अपने किरदार में एक खास तरह की संवेदनशीलता जोड़ी है, जो कहानी के लिए काफी अहम है। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशनस का मेल देखने को मिलेगा।



आपकी त्वचा आराम कर रही होती है और उसे पोषण ग्रहण करने का पूरा समय मिलता है।इसके अलावा सीरम आपकी त्वचा को निखारता भी है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। इसलिए इसे अपनी रात की स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। त्वचा को नमी प्रदान करने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। यह खासकर ठंडे मौसम या वातानुकूलित वातावरण में बहुत जरूरी होता है, जहां हवा शुष्क होती है।

अपने चेहरे और गर्दन दोनों पर हल्के हाथों से मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि यह अच्छी तरह अवशोषित हो जाए। इससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार बनी रहेगी, जिससे आप सुबह उठकर तरोताजा महसूस करेंगे।

आंखों की देखभाल करें

आंखों के आस-पास की त्वचा बहुत नाजुक होती है और इसे खास देखभाल की जरूरत होती है। रात को सोने से पहले आंखों की देखभाल करना जरूरी है ताकि सुबह उठकर आपकी आंखें तरोताजा दिखें। इसके लिए आप आंखों की क्रीम या जेल का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नमी प्रदान करने वाले तत्व हों। इससे आपकी आंखों की थकान दूर होगी और वे सुस्त नहीं दिखेंगी, जिससे आप हमेशा तरोताजा महसूस करेंगे।

घर में नहा रही महिला का चोरी -छिपे वीडियो बनाने वाले आरोपी पर हुई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

कोरबा, (आरएनएस)। कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी बस्ती वाई क्रमांक 11 में एक विवाहित महिला का नहाते समय चोरी-छिपे वीडियो बनाने का आरोप पड़ोस के युवक पर लगा है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफकार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक, वार्ड 11 पुरानी बस्ती निवासी एक विवाहिता जब अपने घर में स्नान कर रही थी, तब पड़ोस के युवक उबैद हसन उर्फ उबैद खान, 35 वर्ष द्वारा दीवार/खिड़की से ताक-झांक कर नहाती हुई। महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का प्रयास किया गया। महिला की नजर आरोपी पर पड़ते ही उसने शोर मचाया और विरोध जताया। इसके बाद पीड़िता ने परिजनों के साथ कटघोरा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

कटघोरा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी उबैद हसन (35 वर्ष) के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। उसे कार्यपालक दंडाधिकारी (तहसीलदार न्यायालय कटघोरा) के समक्ष पेश किया, जहाँ से मुचलका पर जमानत दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर बीएनएस की धारा 77 (ताक-झांक/निजता भंग करना) और आईटी एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण की विवेचना की जा रही है। मोबाइल फ़ोन जब्त कर डिजिटल जांच की जाएगी।

घटना के बाद वार्डवासियों में आक्रोश है। लोगों ने कहा कि ऐसे लोगों से सभी को सतर्क रहने की जरूरत है और पुलिस को ऐसे अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि दोबारा ऐसी हरकत न हो। कटघोरा पुलिस ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में तत्काल शिकायत करें, पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी।

नो-एंट्री खत्म होते ही सड़क पर उतरते हैं भारी वाहन, टीपी नगर से इमलीडुगु तक जाम

कोरबा, (आरएनएस)। कोरबा शहर की यातायात व्यवस्था एक बार फिर सबालों के घेरे में है। भारी वाहनों की नो-एंट्री खत्म होते ही टीपी नगर चैक से इमलीडुगु तक वाहनों की लंबी कतार लग रही है। शनिवार रात भी बड़ी संख्या में भारी वाहन सड़क पर खड़े रहे। जल्द आगे निकलने की कोशिश में कई चालकों ने वाहन आड़े-तिरछे खड़े कर दिए, जिससे दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहन जाम में फंस गए। जाम के कारण छोटे वाहन चालकों, बाइक सवारों और पैदल राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सड़क पर भारी वाहनों के दबाव के बीच हादसे का खतरा भी बना हुआ है।

कोरबा शहर में भारी वाहनों के लिए निर्धारित समय में नो-एंट्री लागू रहती है। लेकिन नो-एंट्री का समय समाप्त होते ही बड़ी संख्या में भारी वाहन एक साथ मुख्य सड़कों पर आ जाते हैं। टीपी नगर चैक से इमलीडुगु मार्ग पर अक्सर वाहनों की कतार लगने की शिकायत सामने आती रही है। चालकों की जल्दबाजी और सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग के कारण स्थिति और बिगड़ जाती है। कई बार दोनों दिशाओं से आने वाले वाहन आमने-सामने फंस जाते हैं और यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। नो-एंट्री के दौरान भी कुछ भारी वाहन सड़क किनारे खड़े रहने से समस्या और बढ़ जाती है।

भारी वाहनों की कतार के बीच से निकलना छोटे वाहन चालकों और बाइक सवारों के लिए जोजिम भरा हो गया है। पैदल राहगीरों को भी सड़क पार करने और सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ने में परेशानी होती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, देर रात यात्री ट्रेन से उतरने वाले लोग सेकेंड एंट्री-मार्निंकपुर बाइपास मार्ग से अपने गंतव्य की ओर जाते हैं। इस दौरान सड़क पर भारी वाहनों का दबाव और पर्याप्त रोशनी नहीं होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

खेल समाचार

वैभव को अपने मौके का इंतजार करना होगा, हम ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं : गौतम गंभीर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया है। गंभीर ने कहा कि उन्होंने 15 वर्षीय खिलाड़ी को समझाया कि अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, कभी-कभी खिलाड़ी को अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। इस साल जुलाई में सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने। उन्होंने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया और सचिन तेंदुलकर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद, वह पुरुषों के इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी सीरीज और एशियन गेम्स से पहले जापान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। 15 साल के इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में वापसी की, जहां उन्होंने 21 गेंदों पर 38 रन बनाकर मैच में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने जियोस्टार पर कहा, यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी, उन

वैभव बहुत समझदार खिलाड़ी हैं, उन्हें बस मौके का आनंद लेकर सर्वश्रेष्ठ देना है :अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के अहम खिलाड़ियों में शामिल अभिषेक शर्मा नए घरेलू सूत्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी-20



अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के साथ एक और खिताब जीतने के इरादे से मैदान पर उतरने को तैयार है। जियोस्टार के कार्यक्रम ‘फॉलो द ब्लूज: जेन-नेक्स्ट अभिषेक’ में अभिषेक ने एक टूर्नामेंट से दूसरे टूर्नामेंट तक जीत की लय बनाए रखने, युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ बातचीत और अपने स्वाभाविक खेल को खेलने के लिए टीम प्रबंधन से मिले समर्थन पर विस्तार से बात की। अभिषेक ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप की जीत के बाद अगले विश्व कप में भी उसी सफलता को दोहराने और जीत की लय बरकरार रखने को लेकर कहा, क्रिकेट में जब मैं आया था, तो 24 साल का था, अब मैं 26 साल का हूँ। एक युवा क्रिकेटर के रूप में आप खुद से कहते हैं कि अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है, यह सिर्फ शुरुआत है। मुझे लगता है कि अभी भी आसान है, लेकिन उस चीज को आदत बनाना और बार-बार उसे दोहराना, प्रक्रिया को एक जैसा बनाए रखना, एक खिलाड़ी के रूप में आसान नहीं है। अगर टीम का माहौल ऐसा हो कि हर कोई एक-दूसरे के लिए प्रदर्शन करना चाहता हो, भारत को जीत दिलाना चाहता हो, दबदबा बनाना चाहता हो, तो मुझे लगता है कि यह एक आदत बन जाती है और निश्चित रूप से इससे मदद मिलती है।

धान की फसल पककर तैयार, सप्ताहभर बाद शुरु हो सकती है कटाई



धमतरी, (आरएनएस)। खरीफ फसल की बुआई और रोपाई करने वाले किसानों की मेहनत अब रंग लाने लगी है। डाही क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में धान की फसल तेजी से पकने लगी है। खेतों में लहलहा रहे धान के पौधों में बालियां निकल आई हैं और कई खेतों में फसल पककर कटाई के लिए तैयार हो चुकी है। सिंचाई सुविधा वाले किसानों ने जिन खेतों में समय से पहले धान की रोपाई की थी, वहां फसल लगभग तैयार है और मौसम अनुकूल रहा तो सप्ताहभर के भीतर कटाई शुरू होने की

साइबर ठगों ने बैंक अधिकारी बनकर 8.50 लाख ठगे, क्रेडिट कार्ड केवाईसी के नाम पर 2.20 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में धोखाधड़ी और वाहन चोरी के मामले दर्ज

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में साइबर ठगी और वाहन चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुरानी बस्ती और खमतराई थाना क्षेत्रों में साइबर ठगों ने अलग-अलग तरीकों से लोगों को झांसे में लेकर लाखों रुपये की ठगी की। वहीं गांधीनगर और तेलीबांधा क्षेत्र से दो मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

क्रेडिट कार्ड केवाईसी के नाम पर 2.20 लाख की ठगी
पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के डेबर सिटी, भाठागांव निवासी विनोद कुमार ने शिकायत दर्ज कराई कि 24 सितंबर को एक मोबाइल नंबर धारक ने वाट्सऐप पर ऑनलाइन लिंक भेजा। आरोपी ने क्रेडिट कार्ड का केवाईसी अपडेट करने के नाम पर आधार और पैन कार्ड की जानकारी मंगाई। इसके बाद उसके क्रेडिट कार्ड से कुल 2.20 लाख रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है।

सीबीआई अधिकारी बनकर 8.50 लाख ठगे
खमतराई थाना क्षेत्र के बजरंग नगर उकुरा निवासी देव सिंह साहू से



आरोपियों ने फोन पर संपर्क किया। ठगों ने खुद को सीबीआई और आईपीएस अधिकारी बताते हुए उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते में 6.80 करोड़ रुपये का मनी लॉन्ड्रिंग होने की बात कही। इसके बाद उन्हें डराकर और निजी जानकारी हासिल कर अलग-अलग नौ बार में कुल 8.50 लाख रुपये ऑनलाइन ले लिए। पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 66डी समेत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है।

जंगली सूअरों के झुंड का भारी आतंक, किसानों ने वन विभाग से मांगी सुरक्षा

कोरबा, (आरएनएस)। ग्रामीण इलाकों में इन दिनों जंगली सूअरों की बढ़ती मौजूदगी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बड़ी संख्या में जंगली सूअर खेतों में पहुंचकर धान समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। तैयार होती फसल को रौंदने और खाकर बर्बाद करने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बालको क्षेत्र में जंगली सूअरों के झुंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें भटगांव और परसाखोला गांव के आसपास 12 से अधिक जंगली सूअर झुंड में घूमते दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जंगली सूअरों की आवाजहो बढ़ी है। इससे किसानों के लिए खेतों की निगरानी करना भी चुनौती बन गया है। झुंड में विचरण कर रहे जंगली सूअर रात के समय खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। धान की फसल तैयार होने के दौर में इनके झुंड के खेतों में पहुंचने से नुकसान और बढ़ने की आशंका है। किसानों को फसल बचाने के लिए रात में भी खेतों की निगरानी करनी पड़ रही है।

फसल के नुकसान के साथ ही जंगली सूअरों के अचानक सामने आने से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर भी चिंता है। झुंड में घूमने वाले जंगली सूअरों से आमना-सामना होने पर अभिय स्थिति की आशंका बनी रहती है। किसानों और ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में जंगली सूअरों की लगातार निगरानी कराने तथा फसलों को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में तैयार फसलों को और अधिक नुकसान हो सकता है।

फर्नी दस्तावेज देकर किराये की कार ले गए

खमतराई थाना क्षेत्र में किराये की कार चलाने वाले कमलेश रात्रे से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी उनके पास फर्नी आधार, पैन और ड्राइविंग लाइसेंस जमा कर फ़ोर्ड फियो कार क्रमांक सीजी 10 एफए 1277 को तीन से चार दिन के लिए किराये पर ले गए। निर्धारित समय बीतने के बाद भी कार वापस नहीं की गई। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) और 319 के तहत अपराध दर्ज किया है।

दो स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी
गांधी थाना क्षेत्र में गरचा कॉम्प्लेक्स के पार्किंग स्थल से गोविंद कुमार विभार की होंडा साइन मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एमडब्ल्यू 6615 चोरी हो गई। इसकी कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है। वहीं तेलीबांधा मरीन ड्राइव रोड किनारे से थॉमस मैत्री की यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 07 सीडी 7863 चोरी हो गई। इसकी कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई है। दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

दौसा जिला अंडर-23 क्रिकेट टीम घोषित, 5 अक्टूबर से जयपुर में होगा मुकाबला

दौसा (आरएनएस)। जिला क्रिकेट संघ की ओर से अंडर-23 क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए दौसा जिले की आधिकारिक टीम की घोषणा कर दी गई है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता 5 अक्टूबर से जयपुर में आयोजित की जा रही है। टीम के खिलाड़ी और कप्तान वरिष्ठ चयन समिति द्वारा चुनी गई इस टीम को कप्तान सचिन शर्मा को सौंपी गई है। टीम के अन्य खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

कप्तान: सचिन शर्मा
खिलाड़ी: देवकृत शर्मा, विजय मीणा, नमन शर्मा, अमित सैनी, राम शर्मा, विजय सैनी, लीलाधर मीणा, विशाल सिंह, आशीष शर्मा, पृथ्वी नागरवाल, जतिन मेहरा, अभिमन्यु गौतम, कमलेश मीना, मोहित शर्मा, मोहित जैन
विकेटकीपर : नवरत्न सैनी, प्रांजुल शर्मा
मुकाबला और चयन नियम
दौसा के मैच शेड्यूल
पहला मैच : करौली के खिलाफ
6 अक्टूबर : बाडुमेर के खिलाफ
7 अक्टूबर : बूंदी के खिलाफ
विशेष नियम : जिला क्रिकेट संघ चयन समिति द्वारा केवल उन्हीं खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है जो दौसा जिले के मूल निवासी हैं। डीसीए पदाधिकारी रतन चंद शर्मा एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरा लाल सैन, शोभना गुर्जर और विनय जैन ने पूरी टीम को आगामी मैचों के लिए जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं।

न्यूजीलैंड के लिए कैनुअल कॉन्ट्रैक्ट पर खेलेंगे माइकल ब्रेसवेल, निक केली को मिला शानदार प्रदर्शन का इनाम
क्राइस्टचर्च (आरएनएस)। न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल ने 2026-27 सीजन में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का मौका पाने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ कैनुअल कॉन्ट्रैक्ट लेने का फैसला किया है। इस कदम से वह दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलने के लिए अधिक उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उन्होंने साफ किया है कि उनकी प्राथमिकता अभी भी न्यूजीलैंड की नेशनल टीम के लिए खेलना ही है। 35 वर्षीय ब्रेसवेल उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने 2026-27 सीजन के लिए कैनुअल कॉन्ट्रैक्ट चुना है। इस सूची में फिन एलन, मार्क चैपमैन, लॉकी फार्ग्यूसन, एडम मिलने और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ी पहले से मौजूद हैं। ब्रेसवेल के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट छोड़ने के बाद उनकी जगह बल्लेबाज निक केली को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह केली के करियर का पहला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट है, जो उन्हें अपने फर्स्ट-क्लास डेब्यू के करीब 11 साल बाद मिला है। 33 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शनों के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। ब्रेसवेल ने कहा कि उनके करियर के इस चरण में यह मौका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट का धन्यवाद करते हुए कहा कि बोर्ड ने उनके फैसले का समर्थन किया। ब्रेसवेल ने कहा कि वह केवल व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए बिग बैश में खेलने का अवसर छोड़ना सूची नहीं होती।

हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह अभी भी न्यूजीलैंड टीम के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इसके अलावा ब्रेसवेल ने अगले साल शुरू होने वाले नए एनजे20 टूर्नामेंट में खेलने की भी इच्छा जाहिर की। दूसरी ओर, निक केली के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में पदार्पण किया था। अब तक वह आठ वनडे और सात टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं।



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच

प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रातः 10:00 बजे

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ

6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

70+ स्टॉल, 15 विभागों की संयुक्त भागीदारी

युवाओं को अवसर, कौशल,
रोज़गार, नवाचार एवं
संभावनाओं से जोड़ने हेतु
समर्पित मंच

स्टार्टअप एवं उद्यमिता

युवा उद्यमियों के
फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग,
AI/मशीन लर्निंग और फूड
प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स
की सहभागिता एवं प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी

AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन
टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं
नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार,
फ्यूचर रेडी एजुकेशन और
टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित

सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता

विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर
मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता,
तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के
अवसरों की जानकारी

कैरियर एवं कौशल के अवसर

कौशल विकास, कैरियर
मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी
जानकारी एक ही स्थान पर

शासकीय योजनाओं की जानकारी

पात्रता, पंजीयन, आवेदन
प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध
सुविधाओं से संबंधित स्टॉल

D-11136/26

सीधा

प्रसारण



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



jansamparkMP